स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज, शोलापुर यूनिवर्सिटी, शोलापुर के एम.एस.सी. जियोइन्फोर्मेटिक्स के विध्यार्थियों का दिनांक 27/12/2016 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

दिनांक 27/12/2016 को स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज (स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज) , शोलापुर यूनिवर्सिटी, शोलापुर के एम.एस.सी. जियोइन्फोर्मेटिक्स (M.Sc. Geoinformatics) एवं एम.एस.सी. जियोलोजी (M.Sc. Geology) के 49 विध्यार्थियों के दल ने प्रभारी डॉ. वी.पी.धुलप एवं डॉ. आर.एस.पँवार, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं श्री प्रशांत एल.उन्हाले असिस्टेंट प्रोफेसर के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। भ्रमण के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने दल का संस्थान में स्वागत करते हुए संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी। इसके बाद पारिस्थितिकी प्रभाग के वैज्ञानिक श्री एन.बाला ने राजस्थान के वन क्षेत्रों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के संदर्भ में दूर संवेदन तकनीक (Remote Sensing) एवं जी.आई.एस. उपयोग (G.I.S. Application) के माध्यम से वन एवं मृदा के स्वास्थ्य (Health of Forest & Soil) संबंधी आंकड़ो को कैसे संधारित (maintain) रख सकते है। सूचना प्रोध्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री ए.के.सिन्हा ने उपयोगी सॉफ्टवेयर (useful softwares) के बारे में बताया। पारिस्थितिक प्रभाग के अनुसंधान सहायक- प्रथम श्री गंगाराम ने वन उत्पादकता एवं मृदा के लाक्षणिक गुणों (Forest Productivity and Soil Characterstics) के विभिन्न आंकड़ों (database) को कैसे अलग-अलग जिलों के नक्शों पर बताया जा सकता है इसके बारे में पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी।

इसके बाद दल के सदस्यों ने आण्विक जैव विज्ञान (Molecular Biology), उत्तक संवर्धन (Tissue Culture), वन संरक्षण तथा पारिस्थितिक (मृदा एवं जल परीक्षण) इत्यादि प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर विभिन्न शोध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

तत्पश्चात भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। यहाँ पर श्री उमाराम चौधरी ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनःस्थापन (Restoration of degraded hills), टिब्बा स्थिरीकरण (Sand

dune stabilization), जल प्लावित भूमि का पुनःस्थापन (Restoration of Water Logged Areas), कृषि वानिकी (Agroforestry) इत्यादि विषयों से संबन्धित जानकारी भ्रमणकारी दल को करवायी। श्री चौधरी ने दल के सदस्यों को संबोधित करते हुए वनों से प्राप्त होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए पॉलिथीन के उपयोग के दुष्प्रभाव को भी बताया।

भ्रमण कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. द्वारा किया गया। भ्रमण कार्यक्रम में श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

खेजड़ी के पवधन हेतु सावधानी

जोधपुर